Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur
Directorate of Distance Education
P.G. 3rd Semester Examination 2015 (Session 2014-16)
Subject:- Sanskrit
Paper – 9th
Model Paper (Full Marks – 80)

1. अधोलिखित सूत्रों की व्याख्या करें :-

(क) अजाद्यतष्टाप्
(ख) उगितश्च
(ग) तावृचि
(घ) वयसि प्रथमे
(ङ) बहुव्रीहेरूधसो ङीष्
(च) कृत्याचः
(छ) अचो यत्
(ज) पोरदुपधात्
(झ) कर्मण्यण्
(ञ) तव्यत्तव्यानीयरः
(ट) ह्रस्वस्य पिति कृति तुक्
(ठ) नन्दिग्रहिपचादिभ्यो ल्युणिन्यचः ।
(ड) ऋहलोर्ण्यत्

(2) प्रयोग सिद्धि :-

(क) शर्वरी (ख) त्रिलोकी (ग) अन्तर्वत्नी (घ) नारी (ङ) शिष्यः
(च) ब्रह्मोद्यम् (छ) समाजः। (ज) गोविन्दः (झ) अमावास्या
(ञ) कर्ता (ट) प्रज्ञः (ठ) अतिकैशी

(3) (क) वेदाङ्गों में 'शिक्षा' का महत्त्व ।
(ख) पाणिनीय शिक्षा की विषयवस्तु ।
(ग) त्रिमुनि व्याकरणम् ।

Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur
Directorate of Distance Education
P.G. 3rd Semester Examination 2015 (Session 2014-16)
Subject:- Sanskrit
Paper – 10th
Model Paper (Full Marks – 80)

(1) भाषा का आकृतिमूलक वर्गीकरण प्रस्तुत करें।
(2) वैदिक एवं लौकिक भाषा में अन्तर स्पष्ट करें।
(3) पालिभाषा का परिचय दें।
(4) संस्कृत और प्राकृत में विद्यमान सम्बन्ध को स्पष्ट करें।
(5) शौरसेनी प्राकृत की विशेषताओं पर प्रकाश डालें।
(6) भाषा की विशेषताओं का वर्णन करें।
(7) भाषा की परिभाषा प्रस्तुत कर बोली से उसका भेद स्पष्ट करें।
(8) अर्थ परिवर्तन के प्रमुख कारणों की विवेचना करें।
(9) संस्कृत की चकारीय ध्वनियों के विकास का वर्णन करें।
(10) संस्कृत की स्वर-ध्वनियों के स्वरूप की विवेचना करें।
(11) अपभ्रंश के स्वरूप एवं वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालें।
(12) भाषा के विभिन्न अङ्गों का वर्णन करें।
(13) निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखें —
(क) सम्प्रसारण (ख) संधीकरण (ग) महाराष्ट्री प्राकृत (घ) द्रविड़परिवार (ङ) ग्रीमनियम (च) अर्धादेश (छ) बलुम (ज) महाप्राण ध्वनियाँ (झ) तालव्यीकरण (ञ) आभ्यान्तर प्रयत्न (ट) विपर्यय (ठ) विषमीकरण (ड) महाप्राणीकरण (ढ) आर्य भाषा
(14) वाक्यपदीय के अनुसार शब्दब्रह्म स्वरूप की विवेचना करें।
(15) भर्तृहरि का काल निर्धारण करें।
(16) भर्तृहरि के मतानुसार वाक्य स्फोट पर प्रकाश डालें।
(17) वाक्यपदीय के ब्रह्मकाण्ड का महत्व प्रतिपादित करें।
(18) 'विवर्तोऽयमिवेन प्रक्रिया जगतो यतः' – इसी व्याख्या करें।
(19) शब्दानुशासन की उपयोगिता पर प्रकाश डालें।
(20) महाभाष्य के अनुसार व्याकरण के प्रयोजनों का वर्णन करें।
(21) 'वेदाश्चो वैदिकाः शब्दाः सिद्धा लोकाच्च लौकिकाः' – इस पंक्ति की समीक्षा करें।
(22) 'प्रतीत पदार्थो लोके ध्वनि शब्द इत्युच्यते' – इस पंक्ति में व्यक्त अभिमत का सप्रसंग विश्लेषण करें।

(23) 'चत्वारि शृङ्गा त्रयो अस्य पादा द्वे शीर्षे सप्त हस्तासो अस्य। त्रिधा बद्धो वृषभो रोरवीति महो देवो मर्त्यां आविवेश।' इस वाक्यांश की व्याख्या करें।

24' ~~आचार्य~~ भावार्थ लिखें —

(क) आसनं ब्राह्मणस्तस्य तपसामुत्तमं तपः।
प्रथमं छन्द आमेदुः प्रादुर्भावे पुरा पुरा।

(ख) अर्थप्रवृत्तितत्त्वानां शब्दा एव निबन्धनम्।
तत्त्वावबोधः शब्दानां नास्ति व्याकरणादृते॥

(ग) स्मृतयो बहुलाश्चैव दृष्टादृष्टप्रयोजनाः।
तमेवाश्रित्य लिङ्गैस्त्रयो वेदविद्भिः प्रकल्पिताः॥

(घ) एकस्य सर्वबीजस्य यस्य चेयमनेकधा।
भोक्तृभोक्तृस्वरूपेण भोगरूपेण च स्थितिः।

(ङ) एकमेव यदाज्ञातं भिन्नशक्तिव्यपाश्रयात्।
अपृथक्त्वेऽपि शक्तिभ्यः पृथक्त्वेनेव॥

(च) अद्ध्यारोपितकलां यस्य कालशक्तिमुपाश्रिताः।
जन्मादयो विकाराः षड् भावभेदस्य योनयः॥

Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur
Directorate of Distance Education
P.G. 3rd Semester Examination 2015 (Session 2014-16)
Subject:- Sanskrit
Paper – 11th
Model Paper (Full Marks – 80)

(1) नलचम्पू के पठित अंश का सारांश लिखें।
(2) 'श्लेषयोजना त्रिविक्रमभट्टस्य विशिष्टता' - इस कथन की समीक्षा करें।
(3) चम्पू काव्य का इतिहास लिखें।
(4) नलचम्पू में वर्णित सामाजिक व्यवस्था का वर्णन करें।
(5) त्रिविक्रमभट्ट का परिचय दें।
(6) चम्पू काव्य के रूप में नलचम्पू की समीक्षा करें।
(7) 'दण्डिनः पदलालित्यम्' - इस उक्ति की विवेचना करें।
(8) दशकुमारचरित के प्रथम उच्छ्वास की कथा लिखें।
(9) दण्डी का काल एवं जीवनवृत्त पर प्रकाश डालें।
(10) गद्यकाव्य के रूप में दशकुमारचरित की समीक्षा करें।
(11) दशकुमारचरित की साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डालें।
(12) दशकुमारचरित के 'वैशिष्ट्य' का विवेचन करें।
(13) दण्डी के गद्य साहित्य का परिचय दें।
(14) 'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्' - इस उक्ति की समीक्षा करें।
(15) महाश्वेता विलाप का वर्णन करें।
(16) महाश्वेता विलाप वर्णन में बाणभट्ट के 'वैशिष्ट्य' की विवेचना करें।
(17) बाणभट्ट का वंश वर्णन पूर्वक उनका जीवन परिचय दें। तथा इनका काल निर्धारण करें।
(18) 'गद्यं कवीनां निकषं वदन्ति' - इस उक्ति की समीक्षा कादम्बरी के आधार पर करें।
(19) गद्य काव्य के रूप में कादम्बरी की समीक्षा करें।

Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur
Directorate of Distance Education
P.G. 3rd Semester Examination 2015 (Session 2014-16)
Subject:- Sanskrit
Paper – 12th
Model Paper (Full Marks – 80)

1. भारतीय दर्शनों का परिचय दीजिए।
2. भारतीय दर्शनों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
3. भारतीय दर्शन का वर्गीकरण कीजिए।
4. चार्वाक दर्शन के आचार मीमांसा पर प्रकाश डालिए।
5. बौद्ध दर्शन का परिचय दीजिए।
6. जैन दर्शन का परिचय प्रस्तुत कीजिए।
7. निम्नलिखित आचार्यों का परिचय दीजिए –
   कपिल, कणाद, गौतम, पतञ्जलि, बादरायण व्यास, शंकराचार्य, गौतमबुद्ध, महावीर।
8. भारतीय दर्शनों में मोक्ष की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।
9. भारतीय दर्शन की व्यापकता का वर्णन कीजिए।
10. कर्मवाद की समीक्षा कीजिए।
11. प्राचीन भारतीय संस्कृति की सामान्य विशेषताओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
12. प्राचीन भारत में नारियों का स्थान निरूपित कीजिए।
13. संस्कारों का वर्णन कीजिए तथा प्राचीन भारतीयों के जीवन पर उनके प्रभाव का निरूपण कीजिए।
14. आश्रम व्यवस्था का परिचय देते हुए उसके महत्त्व को रेखांकित कीजिए
15. प्राचीन भारत में शिक्षा-प्रणाली के स्वरूप एवं विकास का प्रतिपादन कीजिए।
16. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए –
    तक्षशिला, नालन्दा, विक्रमशीला, वलभी
17. गुरुकुलीय शिक्षा व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।
18. प्राचीन भारत में विद्यार्थियों के दैनिक जीवन का वर्णन कीजिए।